सोमवार

03 नवम्बर 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 269
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

देवभूमि की बेटियों पर गर्व!

राष्ट्रपति ने सुशीला बलूनी से लेकर बछेंद्री पाल एवं वंदना कटारिया तक को याद किया

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के रजत जयंती समारोह की श्रृंखला में आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करने दून पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज उत्तराखंड की देवभूमि और देव संस्कृति की प्रशंसा करते हुए कहा कि अध्यात्म और राष्ट्र सेवा से परिपूर्ण इस धरा को वह नमन करती है तथा राज्य के जयंती वर्ष पर अपने आप को आपके बीच पाकर स्वयं को धन्य मानती है।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड भगवान शिव और पार्वती की तपोस्थली ही नहीं इस धरा को गंगा और यमुना जैसी पवित्र पावनी नदियां भी सिंचित करती हैं। प्रदेश के युवाओं में राष्ट्रीय सेवा का जो जज्बा और भाव इस धरा में निहित है वह इस वीर भूमि और देवी देवताओं की तपोस्थली इस देवभूमि का एहसास कराती है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य गठन के 25 सालों में उत्तराखंड ने सभी क्षेत्रों में आशातीत सफलता और विकास किया है। राज्य गठन के बाद उत्तराखंड की सरकार द्वारा अब तक 500 से अधिक कानून बनाए गए हैं जो लोगों के हितों की रक्षा करने वाले हैं।

उन्होंने अपने संबोधन में राज्य आंदोलन का नेतृत्व करने वाली सुशीला बलोनी से लेकर विशनी देवी शाह तथा हिमालय फतेह करने वाली बछेंद्री पाल और वन तथा पर्यावरण सुरक्षा के लिए अपनी जान की बाजी लगा देने वाली गौरा देवी से लेकर एशियन गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सभी को चौंका देने वाली हॉकी महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया के नाम का जिक्र करते हुए नारी वंदन अधिनियम से जोड़ते हुए कहा कि राज्य के उत्थान में महिलाओं की सराहनीय भूमिका रही है। उन्होंने ऋतु खंडूरी के पहले महिला विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले समय में महिलाओं की सहभागिता और अधिक प्रभावी होगी।

राष्ट्रपति द्वारा राज्य सरकार द्वारा लाये गए यूसीसी कानून और भू-कानून से लेकर लोकायुक्त के गठन तक तमाम विषयों को छुआ गया। गढ़वाल और कुमाऊं रेजीमेंटों की चर्चा करते हुए उन्होंने उत्तराखंड के जनरल बिपिन रावत और अनिल चौहान तक तमाम नाम गिनाते हुए कहा कि इस धरा की राष्ट्र भाव की भावना आद्वित्य है। राष्ट्रपति आज यहां से नैनीताल रवाना हो गई हैं जहां वह कुछ अन्य कार्यक्रमों में भाग लेगी तथा कल कैंची धाम भी जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

बुलंदी पर बेटियां

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बीती रात मुंबई में खेले गए फाइनल मैच में जीत दर्ज कर पहली बार विश्व कप चैंपियन की ट्रॉफी जीत ली गई। 25 साल के लंबे इंतजार और कठिन संघर्ष के बाद मिली इस ऐतिहासिक जीत से पूरे देश में जश्न का माहौल है। बीते समय में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दो बार खिताब जीतने के मौके मिले लेकिन फाइनल में हार कर उनके हाथ से ट्रॉफी फिसलती रही। परंतु इस बार ऐसा नहीं हुआ। दक्षिण अफ्रीकी टीम को 52 रनों से हराकर इस भारतीय टीम ने जीत का परचम पहरा ही दिया। किसी भी खिलाड़ी के लिए उसके जीवन में इस तरह के सुखद अवसर क्या अहमियत रखते हैं इस बात को भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव जिन्होंने भारत को अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर आईसीसी वर्ल्ड कप दिलाया था, जैसे खिलाड़ी ही अनुभव कर सकते हैं। इस महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑलराउंडर खिलाड़ी जिन्होंने पहले अपने बल्लेबाजी के दम पर अपनी टीम को 300 के पास पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जब दक्षिण अफ्रीका की ओपनर जोड़ी जीत को छीनने की कोशिश कर रही थी ऐसे समय में उनकी टीम के दो विकेट चटका कर न सिर्फ उनकी टीम को बैक फुट पर धकेल दिया बल्कि अपनी जीत भी सुनिश्चित कर डाली। मैच का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का खिताब जीतने वाली इस भारतीय बेटी शेफाली वर्मा का नाम आज हर किसी की जुबान पर है। इस महत्वपूर्ण मैच में उनके द्वारा खेली गई 87 रनों की ध माकेदार पारी के लिए लोग उन्हें कभी नहीं भुला सकेंगे। हरियाणा की इस बेटी के गांव में कल रात जिस तरह जीत का जश्न लोगों ने मनाया वह पल शेफाली के परिजनों ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए यादगार बन चुके हैं। खास बात यह है कि इस पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का खिताब भी भारतीय बल्लेबाज दीप्ति शर्मा को मिला है। इस जीत के मायने क्या है? अगर इस बात को समझना चाहते हैं तो इसके लिए भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और क्रिकेटर रहे सुनील गावस्कर की जुबानी भी समझा जा सकता है वह कल इस मैच के दौरान खुद भी मैदान पर मौजूद थे उनका कहना था कि 1993 में जब भारत ने कपिल देव के नेतृत्व वाली टीम ने विश्व कप जीता था इतनी खुशी तो उस वक्त भी नहीं मिली थी जितनी खुशी आज हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत की इस ट्रॉफी के समय मैं महसूस कर रहा हूं। देश के प्रधानमंत्री मोदी से लेकर हर आम आदमी तक इस जीत के लिए इन बेटियों को बधाइयां दे रहा है। पूरा देश जश्न मना रहा है, खिलाड़ियों के चेहरों पर चमक देखते ही बनती है सचमुच यह एक बड़ी उपलब्धि है। टीम की कप्तान हरमनप्रीत का कहना है कि यह शुरुआत है। हमें जरूरत इस बात की है कि हमें जीत के इस सिलसिले को जारी रखना है और भविष्य में और ऐसी कई ट्राफियां जीत कर आईसीसी को देनी है। अब अगर इस टीम पर होने वाली पैसों की बरसात की बात करें तो इस बार आईसीसी द्वारा इस टीम को जो राशि बतौर पुरस्कार प्रदान की गई है वह अब तक की सबसे बड़ी धनराशि है। विजेता टीम को इस बार 4.8 मिलियन डॉलर यानी की 49 करोड़ 55 लख रुपए प्रदान किए गए हैं जो 2022 में विश्व कप विजेता न्यूजीलैंड की टीम को दी जाने वाली राशि से 3 गुना अधिक है। तब न्यूजीलैंड टीम को 1.32 मिलियन डॉलर यानी 11 करोड़ 65 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई थी। कुल मिलाकर इस टीम का हिस्सा बनने वाली हर एक खिलाड़ी इस जीत के साथ ही रातों-रात ही अमीर बन चुकी है मगर इस जीत की खुशी की कोई कीमत नहीं हो सकती है। हरमनप्रीत और उनकी विश्व विजेता इस टीम को संध्या दैनिक 'दून वैली मेल' की ओर से हार्दिक बधाई।

विधानसभा परिसर में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूडी भूषण एवं नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य एवं मंत्रीगणों ने उनका स्वागत किया।

ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री से निकाले गये मजदूरों को इंटक ने दिया समर्थन

संवाददाता

देहरादून। आप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री से निकाले गये मजदूरों को इंटक ने अपना समर्थन दिया।

आज यहां ओप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री रायपुर देहरादून में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत 13 कर्मचारियों को 11 महीने का कांटेक्ट समाप्त होने के बाद इन कर्मचारियों को नौकरी पर वापस नहीं रखा गया जबकि उनके स्थान पर उत्तर प्रदेश से आए नए ठेकेदार द्वारा नए लोगों को नियुक्ति दे दी गई। जब उपरोक्त 13 कर्मचारियों ने अपना अधिकार मांगते हुए पहले वरीयता देने हेतु मांग की तो इनसे 80 हजार रुपए प्रति व्यक्ति नौकरी के बदले रिश्वत देने की मांग की गई इसके उपरांत उपरोक्त कर्मचारी आंदोलनरत हैं और मांग कर रहे हैं कि नये ठेकेदार द्वारा उनके अधिकारों का हनन कर उनके साथ शोषण किया जा रहा है। जिस पर कांग्रेस पार्टी के मजदूर संगठन इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (आईएनटीयूसी) के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार एवं युवा इंटक प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री द्वारा ऑटो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री रायपुर में जाकर निकाले गए कर्मचारियों को समर्थन दिया गया। इंटक के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार द्वारा गेट पर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को समर्थन देते हुए कहा गया कि कांटेक्ट लेबर एक ऐसी प्रथा है जिसने उत्तराखंड के युवाओं को अपंग बना दिया है, ठेकेदारी प्रथा द्वारा उत्तराखंड के युवाओं का शोषण किया जा रहा है जो कि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यूथ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री ने कहा कि केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार उत्तराखंड के युवाओं के भविष्य के साथ ठेकेदारी प्रथा के माध्यम से खिलवाड़ कर रही है जिसमें उनका इस्तेमाल किया जा रहा है और इस्तेमाल होने के बाद फिर बाहर निकाल दिया जा रहा है जो बहुत गंभीर विषय है हैं। ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक फैक्ट्री रायपुर के चीफ जनरल मैनेजर हरीश कुमार द्वारा आश्वासन दिया कि वे जल्द ही इस मुद्दे का समाधान निकालेंगे। प्रदर्शन करने वालों में इंटक देहरादून जिला अध्यक्ष अनिल कुमार युवा इंटक प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह क्षेत्री, युवा इंटक जिला अध्यक्ष अभिनय बिष्ट सहित निकिता बत्रा, स्वाति, निशा, मीनाक्षी सैनी, रीता रानी, कावेरी, शूरवीर तोमर, सचिन कुमार, मयंक थापा, हिमांशु, अंकित चौहान, निशु तोमर आदि मौजूद रहे।

विशिष्ठ महानुभाव के सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत आज भी स्कूलों में रहा अवकाश

संवाददाता

देहरादून। विशिष्ट महानुभाव के सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत आज भी विभिन्न स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया।

आज यहां जनहित की अपेक्षा व अति विशिष्ट महानुभाव के सुरक्षा मानकों के दृष्टिगत व विभिन्न स्कूलों द्वारा लगातार किए जा रहे आग्रह पर पुलिस द्वारा एक दिन का अवकाश घोषित किए जाने के अनुरोध पर प्रशासन द्वारा तीन नवम्बर 2025 को कार्यक्रम मार्ग में पढ़ने वाले स्कूलों पर अवकाश घोषित किया गया है। जनपद देहरादून में अति विशिष्ट महानुभव के भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत दून पुलिस द्वारा लगातार सुरक्षा के दृष्टिगत विभिन्न स्थानों पर बैरियर लगाकर सघन चेकिंग सुनिश्चित की जा रही है, साथ ही वीवीआईपी कार्यक्रम के दृष्टिगत कई मार्गो पर यातायात को डाइवर्ट किया गया है, जिस संबंध में मीडिया/सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगो के मध्य जानकारी प्रसारित की गई है। उक्त संबंध में विभिन्न विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के परिजनों द्वारा वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान ट्रैफिक डाइवर्ट/ सुरक्षा के दृष्टिगत की जा रही सघन चेकिंग से बच्चो के लाने में असुविधा व जाम में फसने अथवा अन्य रास्तों से जाने पर उनके परेशान होने की आशंका व चिंता व्यक्त की गई, तथा विभिन्न माध्यमो से लगातार अपनी आशंकाओं के संबंध में पुलिस-प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है। 03 नवम्बर 2025 को भी वीवीआईपी भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस द्वारा विभिन्न मार्गों पर बैरियर लगाकर की जा रही चेकिंग के दौरान बच्चो तथा अभिभावकों को असुविधा होने तथा कार्यक्रम मार्ग में पढ़ने वाले स्कूलों के द्वारा भी बच्चो/अभिभावकों की असुविध ा को देखते हुए जनहित की अपेक्षा व अति विशिष्ट महानुभाव के सुरक्षा मानकों की दृष्टिगत व विभिन्न स्कूलों द्वारा लगातार किए जा रहे आग्रह पर पुलिस द्वारा एक दिन का अवकाश घोषित किए जाने के अनुरोध पर प्रेषित की गई रिपोर्ट पर प्रशासन द्वारा 03 नवम्बर 2025 को कार्यक्रम मार्ग में पढ़ने वाले स्कूलों पर अवकाश घोषित किया गया है।

युवाओं को दी योग से होने वाले लाभ की जानकारी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। 17वां आदिवासी युवाआदान-प्रदान कार्यक्रम के दूसरे दिन योग एवं प्राणायाम से कार्यक्रम की शुरुआत की गई जिसमें युवाओं को योग से होने वाले लाभ एवं अपनी दिनचर्या में योग को अपनाने के लिए जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र कैप्टन मोहित सिंह बिष्ट एवं अवधेश पुंडीर द्वारा किया गया। कैप्टन मोहित द्वारा आदिवासी युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने एवं भारतीय सेना की दिनचर्या के बारे में रूबरू करवाया गया। इसके बाद भी अवधेश पुंडीर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं एवं कठिनाइयों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सीआरपीएफ कमांडेंट उत्तराखंड सेक्टर श्री देवराज जी द्वारा सीआरपीएफ द्वारा आंतरिक सुरक्षा,

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों एवं आतंकवाद और उग्रवाद से निपटना, और कानून व्यवस्था बनाए रखने में राज्यों की सहायता करना , दंगा नियंत्रण, वीआईपी सुरक्षा, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव एवं राहत कार्य शामिल हैं। मेरा युवा भारत के राज्य निदेशक द्वारा कमांडेड सब का शॉल बुके एवं मोमेंटो द्वारा स्वागत एवं सत्कार किया गया।

कार्यकम के अंत में अवधेश शर्मा अध्यक्ष हिमालयन सेंटर फॉर कम्युनिटी एंड रूरल डेवलपमेंट द्वारा उत्तराखंड ट्राईबल्स एवं घुमंतू वन गुर्जर समुदाय को मुख्य धारा में जोड़ने एवं वन गुर्जरों के अधिकारों से संबंधित उनके हक को एवं उनकी परंपरा मुख्य धारा में लाने हेतु व्याख्यान प्रदान किया गया। मेरा युवा भारत देहरादून की उपनिदेशक मोनिका नांदल द्वारा कार्यक्रम का समापन एवं अतिथियों का धन्यवाद प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी हरिद्वार श्री रोशन कुमार, लेखा एवं कार्यक्रम सहायक प्रवेश सिंह बजवाल, आशीष चौहान, सुमन सिंह, सुभाष सिंह, विक्की जी आदि उपस्थिति रहे।

क्या साबुन से सिर धोना सुरक्षित है? जानिए इसके बारे में सबकुछ

शैंपू स्कैल्प और बालों को साफ करने और बालों का झड़ना रोक सकता है। हालांकि, जब तक शैंपू का आविष्कार नहीं हुआ था तब तक साबुन से सिर धोना एक आम बात थी। अभी तक कई लोग साबुन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या साबुन बालों को नुकसान पहुंचा सकता है? या सस्ता और सुरक्षित शैम्पू एक अच्छा विकल्प है? आइए जानते हैं सिर के लिए साबुन कितना सुरक्षित है।

साबुन से होने वाले नुकसान

साबुन से सिर धोना सुरक्षित नहीं है क्योंकि इसे त्वचा के पीएच स्तर को ध्यान में रखते हुए बनाए जाते हैं और स्कैल्प का पीएच अलग होता है, जिसके कारण बालों से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बालों का उलझना ज्यादा हो सकता है। इसके अतिरिक्त, साबुन में शैंपू की तरह स्कैल्प और बालों को कंडीशनिंग करने के गुण नहीं होते हैं। नतीजन, बाल रूखे हो सकते हैं और उनके टूटने की संभावना भी बढ़ जाती है।

साबुन में होती हैं ये सामग्रियां

पशु वसा या वनस्पति तेल जैसे नारियल और जैतून का तेल। हालांकि, कैस्टाइल साबुन पशु वसा और सिंथेटिक सामग्री से मुक्त होते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें लाइ या सोडियम हाइड्रॉक्साइड या पोटैशियम हाइड्रॉक्साइड, पानी, प्रिजर्वेटिव, आर्टिफिशियल रंग और आर्टिफिशियल सुंगध होती है, जो बालों के साथ-साथ त्वचा के लिए भी सही नहीं है। हालांकि, कुछ ऐसे साबुन भी होते हैं, जिनका इस्तेमाल आप बालों पर कर सकते हैं।

सिर धोने के लिए किन साबुन का किया जा सकता है इस्तेमाल?

आजकल मार्केट में कई ऐसे साबुन भी मौजूद हैं, जिन्हें बालों की सफाई के लिए ही बनाया गया है। ये स्कैल्प के खुरदरेपन को कम करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए रीठा, आंवला और शिकाकाई जैसी सामग्रियों से युक्त साबुन का इस्तेमाल सभी प्रकार के बालों को धोने के लिए किया जा सकता है। ये साबुन मॉइस्चराइजिंग अवयवों से भरे होते हैं और नियमित शैंपू की तरह बालों की प्राकृतिक नमी को नहीं छीनते हैं।

साबुन की जगह शैंपू का ही करें इस्तेमाल

अगर आपकी आसपास शैंपू आसानी से उपलब्ध है तो साबुन की जगह शैंपू ही खरीदें क्योंकि इन्हें स्कैल्प और बालों की जरूरत के हिसाब से अलग-अलग बनाया जाता है। हालांकि, अगर आपको नहीं पता कि किस तरह के शैंपू का इस्तेमाल करना सही है तो हर्बल शैंपू आपके लिए सही रहेगा। यह बालों के विकास को बढ़ावा देगा, डैंड्रफ को कम करेगा और बालों के झड़ने को रोकने सहित बालों में चमक लाने में मदद कर सकता है।

यूवुला की सूजनः जानिए इसके कारण, लक्षण और घरेलू नुस्खे

गले में कुछ फंस जाने का लगातार अहसास हमेशा गले में खराश का संकेत नहीं हो सकता है। ऐसा यूवुला में सूजन के कारण भी हो सकता है। यूवुला मुंह के पीछे की ओर जीभ आखिर में लटकता मांस का टुकड़ा होता है, जिसमें सूजन आने से गले में कई तरह दिक्कत हो सकती है। आइए आज हम आपको यूवुला में सूजन के कारण, लक्षण और बचाव के तरीके बताते हैं।

क्या है यूवुला में सूजन आने के कारण?

कटे होंठ या तालू जैसे जन्मजात विकारों के कारण यूवुला बड़ा हो सकता है या अपनी जगह से हट सकता है। कुछ एलर्जी के कारण गले या मुंह में तरल पदार्थ जमा हो सकता है, जिससे यूवुला में सूजन हो सकती है। शुष्क मुंह, धूम्रपान, बहुत अधिक शराब पीना, गले या यूवुला में चोट और कमजोर इम्यूनिटी भी यूवुला में सूजन का कारण बन सकता है।

यूवुला में सूजन से जुड़े लक्षण

गले में कुछ फंसा हुआ महसूस होना, निगलने में कठिनाई, सांस लेने में मुश्किल, गले में खुजली या जलन महसूस होना यूवुला में सूजन के मुख्य लक्षण हैं। गले में खराश, टॉन्सिल की सूजन, मुंह में लार का अत्यधिक स्राव, बुखार और गले में दर्द भी इस समस्या से जुड़े लक्षण हैं। अगर आपको खुद में इनमे से कोई लक्षण नजर आए है तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेकर इसका उपचार कराएं।

कैसे लगाएं यूवुला में सूजन का पता?

यूवुला में सूजन किसी संक्रमण या स्थिति का परिणाम हो सकता है। इसका पता लगाने के लिए डॉक्टर से संपर्क करें। वह आपसे लक्षणों, आपकी मेडिकल हिस्ट्री और ली जा रही दवाइयों के बारे में पूछ सकते हैं। इसके अलावा वह आपको स्वैब टेस्ट कराने की सलाह दे सकते हैं या फिर ब्लड टेस्ट भी इसका पता लगा सकते हैं। ये टेस्ट यूवुला में सूजन के कारण का पता लगाने में मदद कर सकते हैं।

यूवुला में सूजन से बचाव के उपाय

खूब सारे तरल पदार्थ पीकर खुद को हाइड्रेटेड रखें और गर्म हर्बल चाय पिएं। वहीं किसी संक्रमण से जूझने के दौरान अपने शरीर को तेजी से ठीक करने के लिए पर्याप्त आराम करें। इसी तरह शराब का सेवन सीमित करें और धूम्रपान छोड़ दें। जहरीले वातावरण से भी दूर रहें और जिन खाद्य पदार्थों से आपको एलर्जी है उनसे दूर रहें। घरेलू नुस्खों के तौर पर नमक के गर्म पानी से गरारे करें।

इसलिए आती है पैरों से दुर्गंध...

पैरों से स्मेल आने की वजह होती है पैरों में पसेब का आना। आप पसेब को पैरों में होनेवाली स्वेटिंग की तरह समझ सकते हैं लेकिन वास्तव में पसीने और पसेब में टेक्निकल डिफरेंस होता है। दरअसल, पसीना हमारे उन बॉडी पार्ट्स में आता है जहां स्किन में रोम छिद्र या पोर्स होते हैं, स्किन पर बाल होते हैं। लेकिन पसेब हथेली और तलुओं पर ही आता है और यहां की त्वचा पर रोए या महीन बाल नहीं होते हैं।

पसीना आना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। प्राकृति तौर पर जो पसीना आता है वो हमें रोम छिद्रों से आता है। जब यह नैचरल प्रॉसेस से आता है तो यह सेहत के लिए अच्छा होता है। यहां नैचरल प्रॉसेस से मतलब उन स्थितियों से है जब आप घबराहट या तनाव में नहीं होते हैं। गर्म मौसम के कारण पसीना आना या एक्सर्साइज के बाद पसीना आना सामान्य होता है।

पैर के तलुओं या हथेलियों में पसेब आने की दिक्कत आमतौर पर उन लोगों को होती है जो चिंतालु प्रवृत्ति के होते हैं। वैद्य सुरेंद्र सिंह राजपूत के अनुसार, हथेलियों और पैर के तलुओं में पसेब आना इस कई बार बदलते मौसम के कारण होता है तो कई बार यह इस बात का इशारा होता है कि आप किसी तरह के मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं।

जब लंबे समय तक कोई टेंशन या स्ट्रेस हमारे दिमाग पर हावी रहता है तो हमारे शरीर पर इसके कई नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। हम वक्त रहते अपने आप को इन पेरेशानियों से दूर करने के लिए जरूरी प्रयास करें, पैरों और हथेलियों का पसेब मेंटल हेल्थ की दिशा में इस तरह का संदेश देने का काम करता है।

अगर साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखने, सही डायट लेने और प्रॉपर केयर के बाद भी पैरों से और हथेलियों से पसेब आ रहा है तो आपको डॉक्टर से जरूर मिलना चाहिए। क्योंकि यह दिमगा के द्वारा अपनी सेफ्टी के लिए दिया जानेवाला एक तरह का संकेत है कि अगर आपने अभी अपनी मेंटल हेल्थ पर ध्यान नहीं दिया तो आप ऐंग्जाइटी और स्ट्रेस की तरफ बढ़ सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, पैरों और हथेलियों में पसेब आने की समस्या ज्यादातर उन लोगों के साथ होती है, जो चिंतालु प्रवृत्ति के होते हैं। ये लोग सोचते अधिक हैं लेकिन जितना सोचते हैं उसकी तुलना में परफॉर्म नहीं कर पाते हैं। साथ ही इनके दिमाग में हर समय कोई ना कोई थॉट प्रॉसेस चलता रहता है।

लगातार सोच-विचार में उलझे रहने के कारण ये लोग अपने काम को उतने अच्छे तरीके से अंजाम नहीं दे पाते, जैसा देने की चाहत रखते हैं। इस कारण इन्हें अपनी इच्छा के अनुरूप रिजल्ट भी नहीं मिल पाता। इससे ये और अधिक तनाव में आ जाते हैं। इस दौरान पैर के तलुओं और हथेलियों में पसेब की समस्या बढ़ जाती है। क्योंकि पैर अक्सर शूज में बंद रहते हैं इस कारण पैरों में तेज स्मेल आने लगती है।

हर समय चिंता में रहने के कारण हमारे पाचनतंत्र पर बुरा असर पड़ता है। इस कारण हमारा मेटाबॉलिज़्म स्लो हो जाता है। खाना ठीक से डायजेस्ट नहीं होता, कब्ज रहने लगता है, शारीरिक और मानसिक थकान बनी रहती है। इसका सीधा असर हमारी परफॉर्मेंस पर पड़ता है और फिर वही सर्कल घूमने लगता है कि हम परफॉर्म नहीं कर पाते तो स्ट्रेस बढ़ने लगता है।

पैरों की दुर्गंध दूर करने के आसान टिप्स

-पैरों की बदबू से निजात पाने के लिए आप सबसे पहले टाइम मैनेजमेंट पर ध्यान दें। अपने काम तय समय पर करना शुरू करें ताकि आपके दिमाग का बोझ कम हो और खुद को खुश और लाइट फील कर सकें।

- एक्सर्साइज या वॉक जरूर करें। इन्हें करने से हमारे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और ब्रेन तक जरूरी मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचती है। इससे तनाव कम करने में मदद मिलती है।

- सही डायट यानी डीप फ्राइड चीजों का कम से कम सेवन, मौसमी फलों का उपयोग, सात्विक भोजन खाने और योग या एक्सर्साइज से हमारे ब्रेन को हैपी हॉर्मोन्स प्रड्यूस करने में मदद मिलती है। जब हम खुश रहते हैं तो तनाव कम होता है और ब्रेन ठीक से काम करता है पैरों से बदबू की समस्या दूर हो जाती है।

अगर ना मिले आराम

अगर हेल्दी डायट और फिजिकली ऐक्टिव रहने के बाद भी आपको पैरों की दुर्गंध और हथेलियों में पसेब आनी की समस्या बनी हुई तो ऐसी स्थिति में आप चिकित्सक से परामर्श करें। बहुत कम समय के ट्रीटमेंट से ही आप इस परेशानी से मुक्ति पा सकते हैं और लोगों की घृणा या मजाक का विषय बनने से बच सकते हैं।

बच्चों को टाइफाइड से बचायें

टाइफाइड जिसे मियादी बुखार भी कहा जाता है, जो एक निश्चित समय के लिए होता है यह किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से दूषित वायु और जल से होता है। टाइफाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है।

बच्चो में टाइफाइड बुखार संक्रमित खाद्य पदार्थ और संक्रमित पानी से होता है। बारिश के मौसम में संक्रामक रोगों की संख्या अत्यधिक तेजी से बढ़ती है क्योंकि हर ओर नमी रहती है, जिसके कारण मच्छर आदि की संख्या बढ़ जाती है, और रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है।

टाइफाइड जिसे मियादी बुखार के नाम से भी जाना जाता है, एक संक्रामक बीमारी है जो की लिवर से सम्बंधित है। हर साल तकरीबन 2 लाख से ज्यादा लोग टाइफाइड की बीमारी के कारण जान गवाते है टाइफाइड की बीमारी मैं लिवर ठीक तरह से काम नही करता जिसकी वजह से शरीर में बुखार हो जाता है और पुरे शरीर में दर्द होने लगता है। अगर सही समय पर ध्यान ने दिया जाये तो टाइफाइड जानलेवा भी हो सकता है। समय के अंदर इसका इलाज ने किया जाये तो बच्चे की जान तक जा सकती है।

टाइफाइड के लक्षणों को जानना बहुत जरुरी है क्यूंकि समय रहते टाइफाइड के लक्षणों को पहचान लिए जाये तो समय से टाइफाइड से ग्रसित बच्चे का उचित इलाज किया जा सकता है।

टाइफाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है।

अत्यधिक कमजोरी और थकान महसूस होना।

सिर में दर्द होना।

पेट में दर्द और भूख न लगना।

छाती पर गुलाबी निशान होना।

दस्त आना।

लिवर का बढ़ जाना।

पेट में अल्सर की संभावना।

कभी - कभी रोगी बच्चे को चपटे चकत्ते भी पड़ जाते हैं।

सूखी खाँसी आना।

जीभ पर मोटी परत जम जाना। इन लक्षणों के नजर आने के बाद देर नहीं करनी चाहिए। चिकित्सक को दिखाएं और इलाज करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि बच्चा स्वस्थ हो सके।

क्या आप भी फ्रिज में गलत तरह से रखते हैं दूध

कितना बुरा होता है जब आप अपने लिए कुछ बनाने चलें और फ्रिज खोलकर देखें तो इनग्रेडिएंट्स खराब मिले! आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि हर चीज फ्रिज में रखना जरूरी नहीं है। कुछ फूड आइटम्स को खास तरह से स्टोर करने की जरूरत होती है। यहां है कुछ ग्रॉसरी आइटम्स की लिस्ट और इनको स्टोर करने का तरीका।

मुलायम पत्ती वाले हर्ब्स

किसी भी खाने में आप सिर्फ महक के लिए कुछ पत्तियां डालते हैं। बाकी को अगर ठीक से स्टोर न किया जाए तो ये मुरझा सकती हैं। ऐसी हर्ब्स को बुके की तरह फ्रेश रखा जा सकता है। इन पत्तियों के डंठलों को काटकर किसी जार में पानी भरकर इसमें डाल लें।

ब्रेड

अगर आपको लगता है कि ब्रेड को फ्रिज में रखने से ये लंबे वक्त तक चल सकती है तो आप गलत हैं। ऐसा करने से आपकी ब्रेड ठंडक से जल्दी ड्राई हो जाएगी। इसको कमरे के तापमान पर रखें और एक-दो दिन में ही खत्म कर लें।

पत्ता गोभी

पहली बात तो स्टोर से कभी भी कटा पत्ता गोभी न लें। साबित गोभी लाने के बाद अगर आपने इसे काटा है तो इसके कटे हिस्से को ऐसा ही न छोड़ें। इससे तुरंत ऑक्सिडेशन हो सकता है। इसके खुले हिस्से पर आप नींबू रगड़ दें। इससे यह लंबे वक्त तक ताजी रहेगी।

दूध

अगर आप ऐसा सोचते हैं कि फ्रिज में दूध रखने से यह खराब नहीं होगा तो आप गलत हैं। अगर आप दूध फ्रिज के डोर में स्टोर करते हैं तो गलत कर रहे हैं। जो भी चीजें फ्रिज के डोर में स्टोर की जाती हैं उनमें गर्म हवा ज्यादा लगती है। इससे दूध जल्दी खराब हो सकता है।

नींबू

संतरे जैसे सिट्रस फ्रूट को आप फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं लेकिन जब बात आती है नींबू की तो इनहें फ्रिज के बजाय प्लास्टिक बैग में स्टोर करें ये लंबे वक्त तक चलेंगे।

फ्रूट सलाद

फ्रूट सलाद को अगर ऐसे ही रख दिया जाए तो कुछ घंटों में इसका स्वाद बिगड़ जाता है। अगर इसमें नींबू की कुछ बूंदें डाल दी जाएं तो यह लंबे वक्त तक सही रहेगी। अंगूर को फ्रिज में स्टोर कर रहे हैं तो इसे फ्रिज में बैक साइड रखें जहां टेंपरेचर कम होता है।

खूबसूरती निखारने घर पर ही बनाये फ्रूट पैक

हर कोई दमकती हुई त्वचा चाहता है। इसके लिए हम बाजार से महंगी क्रीम भी खरीद लेते हैं लेकिन इन क्रीम्स के ज्यादा इस्तेमाल से स्किन खराब ही होती है। शुरू में आपको त्वचा पर निखार जरूर दिखेगा, लेकिन बाद में रसायनों की अधिकता से संक्रमण का डर रहता है। इसीलिए घर पर ही बिना रसायनों के फ्रूट पैक बनाकर आप अपनी खूबसूरती को और भी निखार सकती हैं। दिन में खूब सारा पानी पीने से फर्क तो पड़ता ही है, पर साथ ही जरूरी है कि आप चेहरे पर फ्लों का रस भी लगाएं। इससे आपके चेहरे पर तत्काल निखार आ जाता है और त्वचा को पर्याप्त मात्रा में पोषण भी मिलता है।

केला, सेब, पपीता, रुचिरा, तरबूज जैसे फ्लों से बना फेसपैक हर तरह की त्वचा पर लगाया जा सकता है। एन्जाइम से भरपूर पपीता मृत कोशिकाओं को हटा कर नई कोशिकाओं के निर्माण में मददगार होता है। केले से त्वचा में रौनक आती है।

सेब और संतरा विटामिन और मिनरल से भरपूर होते हैं। रुचिरा एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट है। यह एजिंग प्रॉसेस को नियंत्रित करता है। तरबूज से त्वचा में पानी की पूर्ति होती है। इन फ्लों से बने फेसपैक को लगाने के ३० मिनट बाद चेहरे धो लें और फिर निखार देखें।

बालों के लिए जरूरी नहीं है कि आप हर बार पार्लर ही जाएं, क्योंकि अगर घर बैठे ही आपको बालों की देखभाल करने के नुस्खे पता लग रहे हैं, तो कोई इस मौके को कैसे मिस कर सकता है। इसके लिए उबली हुई चाय की पत्तियों को फिर से पानी में उबालें। उबालने के बाद आपके पास कम से कम चार कप चाय का पानी बचना चाहिए। इसे ठंडा होने दें और छान लें। इसमें एक नींबू का रस मिलाएं और इससे बाल धोएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सर्दियों की ठंडी हवा क्यों कर देती है आपको बीमार?

सर्दियों के दिनों में लगातार गिरते तापमान की वजह से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ठंडी हवाएं, सुबह और रात के समय कोहरा, दिन में हल्की धूप और कभी बारिश से ठंड बढ़ने पर लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। हालांकि सुबह के समय ताजी हवा लेना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है लेकिन सर्दियों में ऐसा करना थोड़ा मुश्किल होता है क्योंकि ठंड के कारण सांस लेने में तकलीफ होने लगती है।

आप सर्दियों की सुबह ठंडी हवा में टहलने के लिए घर से बाहर निकलते हैं और ठंडी हवा का लुत्फ उठाते हैं और टहलते समय आप सांस लेने में परेशानी महसूस करते हैं। सर्दियों के मौसम में ऐसा होना सामान्य है। कुछ लोगों को सांस में तकलीफ या सीने में जकड़न भी महसूस होने लगती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? आइए आपको बताते हैं इसके पीछे के कारणों के बारे में।

वास्तव में ऐसा ठंडी और शुष्क हवाओं की वजह से होता है। इससे आपको सांस लेने में तकलीफ होती है और फेफड़ों में जलन होने लगती है। जब आप ठंडी हवा को सांस के द्वारा अपने फेफड़ों के अंदर लेते हैं, तो इससे श्वांसनली में सूजन आ जाती है, जिससे नली ब्लॉक हो जाती है। इससे आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। साथ ही इससे सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या भी हो सकती है।

वातावरण की ठंडी हवा को जब आप सांसों के जरिए अंदर खींचते हैं, तो नाक के रास्ते से इस हवा का तापमान शरीर बढ़ा देता है, ताकि फेफड़ों को कोई तकलीफ न हो। इसके साथ ही हवा की शुष्कता को कम करने के लिए नाक इसमें जरूरी नमी भी पैदा करती है। लेकिन अगर आप सर्द मौसम में देर तक बाहर रहते हैं, तो नाक इतनी हवा को गर्म करने में सक्षम नहीं हो पाती। जिसके कारण आपके फेफड़ों में ठंडी हवा पहुंचने लगती है और आपको तकलीफ होती है। फेफड़े गर्म हवा के निश्चित स्तर को संभालने का काम करते हैं। जब हवा के तापमान में मामूली सा बदलाव होता है, तो इससे सांस लेने के रास्ते में जलन और दर्द महसूस होता है।

सर्दियों में कई लोगों की नाक से खून भी आता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ठंडी हवा की वजह से नाक से सांस लेने का रास्ता शुष्क हो जाता है। नमी की कमी के कारण कोशिकाएं फट जाती हैं और उनसे खून आने आने लगता है। ऐसे में आप अपने नाक के रास्ते की नमी को बनाए रखने के लिए मरहम का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुंह से सांस लेने की बजाए अपनी नाक से सांस लेने की कोशिश करें क्योंकि आपकी नाक हवा को आपके फेफड़ों तक पहुंचाने से पहले गर्म कर देती है, जिससे फेफड़ों को तकलीफ नहीं होती है। सर्दियों में बाहर निकलने से पहले अपने मुंह और नाक को स्कार्फ की मदद से अच्छे से ढक लें। ऐसा करने से ठंडी हवा आपके नाक के संपर्क में आने से पहले ही थोड़ा गर्म हो जाएगी। यदि आप ठंडे वातावरण या ठंडे तापमान के प्रति संवेदनशील हैं तो बाहर कसरत करने, घूमने या बाइक चलाने से बचें। ऐसे समय में आप जरूरी हो, तभी यात्रा करें और घर पर ही इनडोर एक्सरसाइज, योगासन कर सकते हैं। यदि आप अस्थमा या अन्य किसी सांस संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपको अधिक सावधान रहने की जरूरत है।

शब्द सामर्थ्य - 039

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

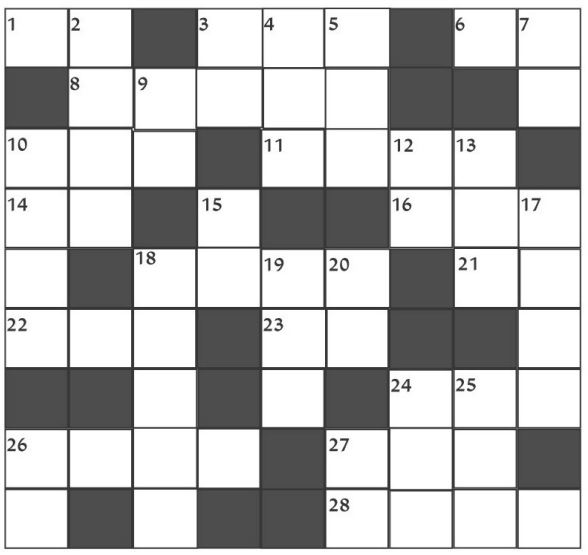

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 38 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा!

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए।

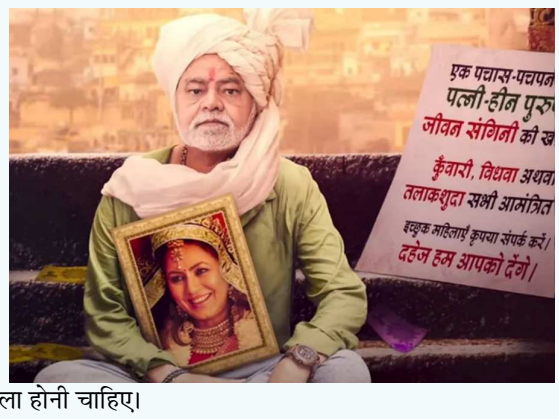

इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की ज़िंदगी में प्यार भर दे। फैंस भी पोस्टर के कायल हो गए हैं और अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, करवाचौथ का उपवास भी रखोगे, ये नहीं लिखा है।

एक अन्य यूजर ने लिखा, वाह, शानदार पोस्टर के साथ फिल्म का इंतजार रहेगा।

वर्क फ्रंट की बात करें तो संजय मिश्रा सन ऑफ सरदार 2, भक्षक, पोस्टमैन, हीर एक्सप्रेस, संत तुकाराम, और 5 सितंबर में देखे गए। अब एक्टर दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है, जो अपने पिता की शादी कराना चाहता है। दरअसल संजय जिस लड़की से शादी करना चाहते हैं, उनके घरवालों की डिमांड है कि भरा-पूरा परिवार होना चाहिए, खासकर घर में पहले से महिला मौजूद होनी चाहिए। ऐसे में एक्टर अपने ऑनस्क्रीन पिता की दूसरी शादी करवाने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं।

बता दें कि संजय मिश्रा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस के साथ पुरानी फोटोज को शेयर करते रहते हैं। शूटिंग के सेट से भी एक्टर फोटोज शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने घासीराम कोतवाल नाटक को लेकर भी वीडियो शेयर की थी और अपने किरदार के बारे में बात की थी।

छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी।

अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनाते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं।

फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ट्विस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है।

कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई थी। फिर भी ईशान के लिए होमबाउंड बहुत खास है, इस फिल्म से उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली है।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग : इशिता दत्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं।

हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी।

अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनीत पड्डा को मोहित सूरी ने खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

अभिनेत्री अनीत पड्डा ने पिछले मंगलवार को अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्हें निर्देशक मोहित सूरी ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर अनीत के साथ एक तस्वीर पोस्ट की।

इसे निर्देशक ने कैप्शन दिया, जन्मदिन की बधाई हो, मेरी स्टार अनीत पड्डा। तुम्हारी मासूमियत ने न सिर्फ सैयारा को रोशन किया, बल्कि हमारी पूरी टीम के सपनों को नई उड़ान दी।

सैयारा की हेरोइन अनीत ने अपना खास दिन अहान पांडे के साथ बिताया, जो फिल्म सैयारा में उनके ऑनस्क्रीन पार्टनर थे। अहान ने इंस्टाग्राम पर कई अनदेखी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। एक क्लिक में दोनों कॉन्सर्ट के पास सेल्फी लेते दिखे। लेकिन सबसे ज्यादा हलचल एक छोटे वीडियो से मची, जहां अहान अनीत को एक रिंग पहना रहे हैं, जिससे फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों रिश्ते में हैं। बता दें, अनीत पड्डा ने सलाम वेंकी (2022) से छोटी भूमिका में डेब्यू किया, फिर बिग गर्ल्स डोंट क्राई सीरीज से पहचान बनाई। लेकिन अभिनेत्री को पहचान मोहित सूरी की सैयारा से मिली।

यश राज फिल्म्स की इस म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा में अनीत ने वाणी बत्रा का रोल निभाया था, जो एक महत्वाकांक्षी गीतकार होती है और उसे अल्जाइमर्स हो जाता है। वहीं, अहान ने फिल्म में कृष कपूर की भूमिका अदा की थी। फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि ओटीटी पर भी रिकॉर्ड बनाया।

फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है।

बिहार राजनीति के लिए नीतीश ने अपने को अपरिहार्य बनाया

अजीत द्विवेदी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने को बिहार की राजनीति के लिए तो अपरिहार्य बनाया ही है साथ ही उन्होंने बिहार की दोनों बड़ी राजनीतिक शक्तियों भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के लिए भी अपने को अपरिहार्य बनाया। उन्होंने बिहार की राजनीति को वह रूप दिया है, जिसमें किसी भी पार्टी की सरकार उनको बगैर नहीं बन पाती है। इस बात को इस तथ्य से समझें कि वे सबसे बड़ी पार्टी रहे तब भी मुख्यमंत्री बने और तीसरे नंबर की पार्टी रह गए तब भी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने एक समय 243 के सदन में सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गए राजद को पुनर्जीवन दिया तो नरेंद्र मोदी को उस समय हराया, जिस समय वे अपनी लोकप्रियता के शिखर पर थे। आज अगर भाजपा 240 लोकसभा सांसदों वाली पार्टी बनी है तो इसकी कहानी भी नीतीश से शुरू होती है। जिस समय चंद्रशेखर राव, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल सब विफल हो गए उस समय नीतीश ने विपक्षी गठबंधन बनवा दिया, जिसकी पहली बैठक जून 2023 में पटना के मुख्यमंत्री आवास एक, अणे मार्ग में हुई थी। यह अलग बात है कि बाद में नीतीश खुद ही भाजपा के साथ चले गए। फिर भी यह बंदोबस्त करके गए कि भाजपा पूर्ण बहुमत नहीं हासिल कर सके। इसका मतलब है कि वे मारना भी जानते हैं और बचाना भी। उन्होंने नरेंद्र मोदी के साथ वही किया, जो लालू प्रसाद के साथ किया।

बहरहाल, अगर 2025 के चुनाव के बंदोबस्तों की बात करें तो नीतीश कुमार ने इसकी बिसात 2022 में बिछा दी थी, जब वे भाजपा से अलग होकर राजद के साथ गए थे। राजद के साथ मिल कर उन्होंने जाति गणना कराई। पहले से जाति में बंटे बिहार के समाज में जातियों का और बारीक बंटवारा कर दिया। उन्होंने व्यापक हिंदू एकता बनाने के भाजपा के प्रयास को तो पंक्चर किया ही साथ ही बहुत कम संख्या वाली जातियों को भी सत्ता में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा करने को प्रेरित किया। इन जातियों की प्रतिस्पर्धा का नतीजा है कि बिहार की पार्टियों के टिकट बंटवारे में इतनी विविधता देखने को मिल रही है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में दिखा कि कैसे राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने अपने मुस्लिम और यादव समीकरण से बाहर कुशवाहा और भूमिहार या ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे। विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में यह विविधता और ज्यादा देखने को मिल रही है।

नीतीश कुमार ने सबसे पहले यह प्रयोग किया इसलिए सत्ता में हिस्सेदारी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही बहुत कम संख्या वाली जातियों के नेता के रूप में वे ही स्थापित हुए। भाजपा उनके इस प्रयोग को देख रही थी और इसको काउंटर करने का प्रयास भी किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। देर से ही सही लेकिन उसने कम आबादी वाली जातियों का नेतृत्व उभारने का प्रयास किया। इसी प्रयास के तहत 2020 के चुनाव के बाद जब जनता दल यू 43 सीट की पार्टी रह गई थी तब भाजपा ने उनके साथ तारकिशोर प्रसाद और रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन इस प्रयोग में कामयाबी इसलिए नहीं मिली क्योंकि भाजपा के पास जातियों के प्रतिनिधि चेहरे नेता बनने लायक नहीं थे। उस मामले में नीतीश पहले ही भाजपा को कमजोर कर चुके थे। दूसरा कारण यह हुआ कि दो साल बाद ही नीतीश कुमार भाजपा को छोड़ कर राजद के साथ चले गए और वहां जाकर जाति गणना करा दी। उसके बाद वे फिर भाजपा के साथ तभी लौटे, जब उन्होंने यह सुनिश्चित कर दिया कि विपक्षी एकता के सामने भाजपा मजबूर है और उनके हिसाब से काम करेगी। तभी 2024 के जनवरी में जब नीतीश वापस लौटे तो भाजपा को कुशवाहा और भूमिहार उप मुख्यमंत्री बनाना पड़ा।

जाति साधने के साथ साथ नीतीश ने इस हकीकत को पहचाना कि पलायन के कारण बिहार में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा हैं। तभी उन्होंने देश में सबसे पहले महिला मतदाता समूह को खुश करने और अपने साथ जोड़ने की राजनीति शुरू की। स्थानीय निकाय में 50 फीसदी आरक्षण से लेकर, बालिका साइकिल योजना, पोशाक योजना, जीविका दीदी, शराबबंदी से लेकर नौकरियों में 35 फीसदी डोमिसाइल और अब महिला उद्यमी योजना तक उनकी योजनाओं ने महिलाओं को उनके साथ स्थायी रूप से जोड़ दिया। इस बार चुनाव में मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए भेजने को गेमचेंजर के रूप में देखा जा रहा है। इसकी तुलना शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना या एकनाथ शिंदे की लड़की बहिन योजना या हेमंत सोरेन की मइया सम्मान योजना से की जा रही है। लेकिन यह योजना असर के मामले में इसलिए भिन्न है क्योंकि इसके तहत जिन महिलाओं को लाभ मिल रहा है उनके साथ नीतीश का एक भावनात्मक जुड़ाव उस समय से है, जब उन्होंने उनको साइकिल देकर उनका स्कूल जाना सुनिश्चित किया था। आज वही लड़कियां गृहिणी हैं, उद्यमी हैं या कहीं छोटे मोटे काम कर रही हैं। उनको नकद पैसा मिलना उनके साइकिल के दिनों की याद ताजा करेगा।

नीतीश कुमार ने इसके साथ ही पिछले 20 वर्षों के अपने शासनकाल में 2005 से पहले के बिहार की यादों को भी जीवित रखा और बिहार की जनता के बीच यह नैरेटिव स्थापित किया कि उनकी कमीज सबसे उजली है। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर की तरह अपने परिवार को राजनीति से दूर रखा और भ्रष्टाचार का एक भी आरोप अपने ऊपर नहीं लगने दिया। यह मामूली बात नहीं है कि थोड़े समय की सत्ता भी नेताओं को व्यापक रूप से भ्रष्ट बना रही है तो नीतीश कुमार 20 साल मुख्यमंत्री रहने और उससे पहले कई बार केंद्रीय मंत्री रहने के बावजूद ईमानदार बने रहे। उन्होंने सामाजिक समीकरण, 2005 से पहले के शासन की बुरी यादों और अपनी ईमानदार छवि के आधार पर अपने को अपरिहार्य बनाया। तभी आज भाजपा की मजबूरी है कि वह नीतीश कुमार का चेहरा दिखाए। अगर नहीं दिखाती है तो इसका फायदा तेजस्वी यादव को हो सकता है। इसी दिन के लिए तो नीतीश ने राजद को पुनर्जीवन देकर तेजस्वी यादव को राजनीति और शासन दोनों का अनुभव दिया। दूसरे, मंडल से उभरे सभी नेताओं के हाशिए पर जाने के बाद मंडल की राजनीति के स्वाभाविक उत्तराधिकारी भी तेजस्वी ही हैं। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है।

अंत में चुनाव जीतने वाले आधुनिक बंदोबस्तों की बात करें तो इस बार के चुनाव में नीतीश कुमार की सरकार ने भी खुल कर पैसा बांटा। इस तात्कालिक दांव ने नीतीश के दीर्घकालिक राजनीति के साथ मिल कर एनडीए की जीत की संभावना को बढ़ाया है। उनकी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा की पेंशन चार सौ से बढ़ा कर 11 सौ रुपए महीना कर दी। हर महीने 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दी। महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए डाले। स्नातक बेरोजगारों को एक एक हजार रुपया महीना देने का ऐलान किया तो नए वकीलों को तीन साल तक पांच पांच हजार रुपए की राशि देनी शुरू की। आशा दीदी, जीविका दीदी, ममता दीदी से लेकर स्कूलों के नाइट गार्ड्स, पीटी टीचर्स आदि का मानदेय बढ़ा दिया। ध्यान रहे नीतीश के खिलाफ कोई ऐसा गुस्सा जमीन पर नहीं दिख रहा है कि उनको उखाड़ फेंकना है। उनके खिलाफ सिर्फ यह बात है कि वे 20 साल से मुख्यमंत्री हैं। इससे थोड़ी ऊब और थकान लोगों में दिख रही है, जिसे पैसे बांट कर दूर किया जा रहा है।

सो, नीतीश की राजनीति, उनके व्यक्तित्व और सरकार के कामकाज की जड़ें इतनी गहरी हैं कि आसानी से नहीं उखड़ने वाली है। तभी भाजपा की मजबूरी है कि वह उनकी पार्टी को महत्व दे और उनका चेहरा दिखा कर चुनाव में जाए। उसको पता है कि नीतीश का चेहरा दिखाए बगैर चुनाव जीतना मुमकिन नहीं है। उनकी पुण्यता ने ही पहले भी भाजपा को सत्ता दिलाई और इस बार भी दिला सकती है। जहां तक चुनाव जीतने के बाद उनको हाशिए में डालने की रणनीति का सवाल है तो भाजपा को यह भूल जाना चाहिए। चुनाव से पहले नीतीश और उनकी पार्टी के नेताओं का जो रुख है वह चुनाव के बाद भी वैसा ही नहीं रहने वाला है। चुनाव में अगर एनडीए जीतता है तो नीतीश की पार्टी किसी भी हाल में ऐसी स्थिति में रहेगी कि उसके बगैर किसी की सरकार न बने। अंत में नीतीश कुमार के लिए हिंदी के महानतम कवि महाप्राण निराला की पंक्तियां- मेरे अविकसित रागों से ही विकसित होगा बंधु दिगंत, अभी न होगा मेरा अंत!

सू- दोकू क्र.039

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.38 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नया बांग्लादेश की घोषणा भारत के खिलाफ साजिश

अनुराग गुप्ता

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार ला मोहम्मद यूनुस ने 'नया बांग्लादेश' के जन्म की घोषणा करते हुए संयुक्त घोषणापत्र जुलाई चार्टर जारी किया है जिस पर 25 पार्टियों के नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इससे हसीना वाजेद की पार्टी अवामी लीग को बाहर रखा गया है। यह एक बड़ी साजिश है जिसमें यूनुस ने चीन को अपना आर्थिक भागीदार बनाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारत के 7 पूर्वोत्तर राज्यों तथा नेपाल व भूटान को नए गठबंधन की धुरी बताया है। बांग्लादेश चाहता है कि चीन के प्रभाव में यह सारा क्षेत्र आ जाए और उसे वह अपना चटगांव बंदरगाह देकर खुश करे। नए बांग्लादेश के नाम पर वह भारत के लिए नई चुनौती पेश कर रहे हैं। बांग्लादेश का नेतृत्व चाहता है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना को भारत उसके हवाले कर दे ताकि ढाका में उन्हें मौत की सजा दी जा सके।

हसीना की पार्टी अवामी लीग ने धरना आंदोलन का इस जुलाई चार्टर का विरोध किया। मोहम्मद यूनुस चीन और पाकिस्तान को खुश करने में लगे हैं। वह पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रति लगाव रखते हैं और चाहते हैं कि वह बांग्लादेश की सेना से संपर्क रखे। पाकिस्तानी सेना के अफसरों ने एक प्रतिनिधि मंडल को भी यूनुस ने ढाका बुलवाया था। बांग्लादेश में चुनाव कराने की मांग को वह लगातार टाल रहे हैं। यूनुस की मनमानी नीतियों के खिलाफ बांग्लादेश में फिर विरोध पनपने लगा है और इस बात के आसार हैं कि जिस तरह नेपाल में जेन-जी या नौजवान पीढ़ी ने बगावत की वैसा ही बांग्लादेश में भी होगा जुलाई चार्टर में सुधार के 80 से अधिक प्रस्ताव हैं जिनमें लोकतांत्रिक कदमों, मानवाधिकारों व मूलाधिकारों की बात कही गई है तथा प्रशासन के सभी क्षेत्रों में संतुलन लाने का वादा किया गया है। इसके साथ ही भारत विरोधी भावनाएं भी इनमें शामिल हैं। पाकिस्तान से मोहम्मद यूनुस के लगाव की वजह से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेनेवाले पूर्व सैनिक नाराज हैं। अंतरिम सरकार ने लगातार उनकी उपेक्षा की है। जुलाई चार्टर के नाम पर वह बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, शेख मुजीब के संघर्ष और बलिदान को पूरी तरह मिटा देना चाहते हैं। पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेशियों पर जो अमानुषिक अत्याचार किए थे और भारत ने कैसे पूर्व पाकिस्तान को आजाद कर बांग्लादेश बनाने में ऐतिहासिक योगदान दिया था, उसे भुलाकर यूनुस अपने देश को चीन व पाकिस्तान की कठपुतली बनाने में लगे हैं। भारत को समय रहते इस संकट का इलाज खोजना होगा।

700 किलोमीटर चलकर आया फैन!

इंटरनेट पर इस वक्त बस कहानी छाई है – एक जबरा फैन राजू ने अपनी फेवरेट एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत से मिलने के लिए पूरे 700 किलोमीटर का सफर तय किया! दिल में बस एक ही ख्वाहिश, मोबाइल के लॉकस्क्रीन पर उनकी फोटो और जेब में ढेर सारी हिम्मत लेकर निकला ये फैन आखिरकार अपनी ड्रीम एक्ट्रेस से मिल ही गया – और अब सोशल मीडिया पर बस उसी मुलाकात की चर्चा है। कभी सोचा नहीं था कि ये दिन देखूंगा, राजू ने ट्वीट किया. वो इतनी सादगी से मिलीं, और जब उन्होंने मेरे लॉकस्क्रीन पर अपनी फोटो देखी तो जो रिएक्शन दिया, वो अभी तक दिमाग से नहीं गया. मुलाकात की तस्वीरों में रुक्मिणी को राजू के हाथ से गुलाबी फूल लेते और मुस्कुराते देखा जा सकता है – वही दिल जीत लेने वाली मुस्कान जिसने उनके फैन्स के दिलों में हमेशा के लिए जगह बना ली है। सोशल मीडिया पर लोग इसे साल का सबसे प्यारा फैन मोमेंट बता रहे हैं, उसकी दिल से की गई मेहनत और 700 किलोमीटर की डेडिकेशन के लिए रुक्मिणी वसंत भले ही अपनी नई फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हों, लेकिन ये मुलाकात साबित कर गई कि असली फैनडम सिर्फ दीवानगी नहीं होता – ये जुड़ाव, अपनापन और एक गुलाबी फूल की कहानी है जो सीधा दिल छू जाती है।

दुकान में आग लगने से युवक की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। कबाड़ी की दुकान में आग लगने से एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

हादसा ऋषिकेश कें हीरालाल रोड स्थित कबाड़ी की दुकान का है। जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब 3.30 बजे फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना मिली कि हीरालाल मार्ग स्थित कबाड़ी की दुकान में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि बाहर से ताला लगा होने के कारण ताले को तोड़ा गया और शटर खोलकर कबाड़ में लगी आग को भी बुझाया। इस दौरान दमकल विभाग की टीम को अंदर एक युवक की बॉडी जली अवस्था में मिली। तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर आई और युवक की जली बॉडी को कब्जे में लेकर एम्स की मोर्चरी में ले गई। अभी मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिरकार युवक अंदर कैसे पहुंचा है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सुबह तड़के कबाड़ी की दुकान में आग लग गई। तभी उन्होने बचाओ-बचाओ की आवाज सुनी। शटर बंद होने के कारण वह आवाज लगाने वाले को बाहर नहीं निकाल पाए। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अब शव के शिनाख्त के प्रयास में जुटी है।

कच्ची शराब के साथ तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब की तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 5 लीटर कच्ची शराब बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम कोतवाली लक्सर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को जेरिकन लेकर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद जेरिकन से 5 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम मेहरबान पुत्र शरीफ निवासी कस्बा सुल्तानपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार एसपी उत्तरकाशी के निर्देशन में ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन व नशा मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए उत्तरकाशी पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। पुरोला पुलिस की टीम द्वारा चरस के साथ एक और तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से 930 ग्राम चरस बरामद हुयी है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा नशे के सौदागरों पर सख्त रुख अपनाया हुआ है। जनपद की कमान संभालते ही उनके द्वारा सभी पुलिस अधिकारियों को अवैध नशे पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं। पुलिस उपाधीक्षक बडकोट देवेन्द्र सिंह नेगी के निकट पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष पुरोला दीपक सिंह रावत के नेतृत्व में गत सायं को चौकी नौगांव पुलिस टीम द्वारा सटीक जानकारी जुटाते हुये नौगांव-विकासनगर मार्ग, बिल्ला खड्ड के पास से आर्यन सिंह रावत पुत्र बलदेव सिंह रावत निवासी मोरी को चरस के साथ गिरफ्तार किया गया है। युवक के कब्जे से 930 ग्राम चरस बरामद की गयी है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर युवक के विरुद्ध थाना पुरोला पर एनडीपीएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, युवक चरस को मोरी क्षेत्र से लाकर देहरादून ले जाने की फिराक में था। मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही जारी है। आज अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जिलाधिकारी की जनसुनवाई में 59 समस्याएं की गई दर्ज

संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के जनसुनवाई में 59 समस्याएं दर्ज की गयी जिनमें से 29 का मौके पर ही निस्तारण कर अन्यों के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये।

आज यहां जनपदवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 59 शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई गई जिसमें 29 समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया शेष समस्याओं हेतु संबंधित विभागों को तत्काल कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। जनसुनवाई कार्यक्रम में अतिक्रमण, राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत आदि से संबंधित समस्या दर्ज कराई गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रकाश चंद निवासी ग्राम सलेमपुर महदूद ने अपने खेत में आने जाने किए सरकारी चकरोड है जिसपर अन्य लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया है जिसको जांच कर चक रोड को खाली कराने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया।

देवराज ग्राम प्रधान मूलदासपुर उर्फ माजरा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम बढ़ेडी वाया मूलदासपुर माजरा में ग्राम कमालपुर सैनी पर सड़क पर बनी क्षतिग्रस्त पुलिया को ठीक करवाने

❑मौके पर 29 समस्याओं का किया निस्तारण

के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। इनम रावत ग्राम हजाराग्रांट में राजकीय प्राथमिक पाठशाला के पास रास्ता की खराब ही उसको रास्ते को ठीक करवाने को प्रार्थना पत्र दिया। नवेद अख्तर निवासी मोहल्ला कस्साबान ज्वालापुर ने कटहरा बाजार ज्वालापुर में एसबीआई बैंक स्थित पुलिया के पास लोगों द्वारा फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाने को लेकर शिकायत की। दिनेश कुमार पुत्र पिरथी सिंह निवासी ग्राम अटमलपुर बौंगला ने अपनी भूमि को दोबारा आबादी में दर्ज किए जाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। शशिबाला पत्नी श्रीकांत निवासी अम्बेडकर नगर ज्वालापुर ने अपनी भूमि को पास के काश्तकारो ने अपनी भूमि में मिला ली है, उक्त भूमि की पैमाईश कराएं जाने को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। ग्राम पंचायत सदस्य मंजूदेवी लालढांग पंचायत वार्ड संख्या 11 के मार्ग काफी क्षतिग्रस्त है और मार्ग में जलभराव भी होता है, जिस कारण लोगों को आने जाने में हो रही परेशानी को लेकर शिकायत की।

समस्त किसान अतमलपुर बौंगला, शांतरशाह, खेड़ली में वन गुजरो द्वारा अवैध रूप से सरकारी भूमि पर किए गए कब्जे को लेकर शिकायत की। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसुनवाई में जनता द्वारा जो भी समस्याएं दर्ज कराई जा रही है उन समस्याओं को त्वरित एवं समयबद्धता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान, सीएमओ डॉ. आर के सिंह, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, मुख्य वित्त अधिकारी अजय कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, मुख्य क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरूँग, सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने मेडिकल स्टोरों का किया निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर सचिव श्रीमती सीमा डुँगराकोटी ने शहर के मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण कर खामिया पाये जाने पर दिशा निर्देश दिये।

आज यहां उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून प्रेम सिंह खिमाल के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून श्रीमती सीमा डुँगराकोटी ने 'सेफ ड्रग, सेफ लाईफ' के तहत ड्रग विभाग के साथ जनपद देहरादून में पटेलनगर क्षेत्र के विभिन्न मेडिकल स्टोरों का संयुक्त निरीक्षण किया गया, जिसमें मनेन्द्र सिंह राणा वरिष्ठ औषधि निरीक्षक ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, श्री विनोद जगुडी एवं श्रीमती निधि रतूडी, औषधि निरीक्षक ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, जनपद देहरादून शामिल रहे। निरीक्षण में निम्नलिखित मेडिकल स्टोर के लाइसेंस, फार्मासिस्ट के रिकॉर्ड, कोल्ड स्टोरेज फेसिलिटी, एक्सपायर दवाईयां तथा उनके निपटारे की प्रक्रिया, नारकोटिक्स ड्रग के विषय में जानकारी आदि आवश्यक विषयों पर पूछताछ की गयी और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये गए। ए-वन फॉर्मेसी, पश्चिम पटेलनगर, में फॉर्मासिस्ट प्रीति गोयल अनुपस्थित रही। स्टोर में कक्षा 10 वीं पास आशिष देवीलाल उपस्थित पाये गए, जिस पर निरीक्षण टीम द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। 02 सीसीटीवी कैमरे पाये गए और फ्रिज के तापमान डिस्प्ले पर 17 डिग्री तापमान पाया गया। तापमान डिस्प्ले को ठीक

करने के निर्देश दिये गए। उक्त स्टोर में फॉर्मासिस्ट की अनुपस्थिती और अन्य अनियमितताओं के मद्देनजर, निरीक्षण टीम द्वारा स्टोर को उसी समय बंद करवाया गया और स्पष्टीकरण अतिशीघ्र कार्यालय ड्रग विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये गए। इसी प्रकार विभिन्न मेडिकल स्टोरों पर निरीक्षण के दौरान खामिया पाये जाने पर जरूरी दिशा दिर्नेश दिये गये। खालसा मेडिकल स्टोर, पश्चिम पटेलनगर, फॉर्मासिस्ट संदीप पाल निरीक्षण के दौरान उपस्थित पाये गए। 02 सीसीटीवी कैमरे और फिज में तापमान डिस्प्ले पाया गया। एक्सपायर दवाईयों का स्टोरेज भी पाया गया। दवाईयों के कम-विक्रय बिल का भी निरीक्षण किया गया। बताया गया कि नार्कोटिक्स दवाईयां स्टोर में नहीं बेची जाती। कफ सिरप के विषय में भी पूछताछ करने पर पाया गया कि कफ सिरप बैंक से पृथक कर रखी गयी है। निरीक्षण टीम द्वारा स्टोर की साफ-सफाई के निर्देश दिये गए। एमपीएस मेडिकोज, निकट महंत इंद्रेश हॉस्पिटल, पटेलनगर, फॉर्मासिस्ट मनोज तिवारी उपस्थित पाये गए। फ्रिज में तापमान डिस्प्ले पाया गया। कय-विक्रय बिल दिखाया गया। मार्कोटिक्स दवाईयों का भी विक्रय किया जाता है। एक्सपायर दवाईयों का स्टोरेज भी पाया गया। निरीक्षण टीम द्वारा उक्त स्टोर के कय-विक्रय रजिस्टर को व्यवस्थित और सही करने के निर्देश दिये। ए-वन फॉर्मेसी, निकट महंत इंदेश हॉस्पिटल, पटेलनगर, देहरादून फॉर्मासिस्ट अंजुम निरीक्षण के समय उपस्थित पायी गई। फ्रीज में तापमान डिस्प्ले, 3 सीसीटीवी कैमरे और एक्सपायर दवाईयों का स्टोरेज पाया गया। नार्कोटिक्स और कय-विक्रय बिल के रजिस्टर / फॉईल के साथ कम्प्यूटर पर भी दिखाई गयी। निरीक्षण टीम द्वारा उचित दिशा-निर्देश दिये गए।

एफआरआई में 9 नवम्बर को होगा रजत जयंती उत्सव का मुख्य कार्यक्रम

●मुख्यमंत्री धामी ने किया तैयारियों का निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 9 नवम्बर को प्रदेशभर में भव्य रजत जयंती उत्सव का आयोजन किया जाएगा। मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई) में आयोजित होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा के

विशेष सत्र में प्रतिभाग करने के उपरांत सीधे एफआरआई पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, दर्शक दीर्घा, यातायात प्रबंधन, सांस्कृतिक मंच और स्वागत तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य स्थापना दिवस का यह ऐतिहासिक अवसर गरिमामय और व्यवस्थित तरीके से मनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड की 25 वर्ष की विकास यात्रा, संघर्ष और उपलब्धियों का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सान्निध्य में यह रजत जयंती समारोह प्रदेश के लिए प्रेरणादायक अवसर होगा। इस अवसर पर सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरुप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी एवं शासन-प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

युवक का हत्यारा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। युवक की हत्या मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बेसबाल का डंडा व घटना के दौरान पहनी गयी कमीज भी बरामद हुई है। हत्या की यह वारदात पैसों के लेन-देन को लेकर पिता व दो पुत्रों द्वारा अंजाम दी गयी थी जिसमें एक पुत्र की गिरफ्तारी हो चुकी है जबकि पिता व एक पुत्र की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीते 31 अक्टूबर को संजय पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम झबरेडी कला थाना झबरेडा जिला हरिद्वार ने थाना झबरेड़ा में तहरीर देकर बताया गया था कि उसके भतीजे विकास पुत्र मांगेराम निवासी झबरेडी कला थाना झबरेडा जिला हरिद्वार द्वारा आरोपी मोहित, रोहित उर्फ गोपी पुत्र राजकुमार उर्फ राजू व राजकुमार उर्फ राजू पुत्र सोम्मा निवासी गाम झबरेडी कला थाना झबरेडा जिला हरिद्वार से अपने दुकान के सामान के व अपने पुराने उधार के पैसे मांगने को गया था। इस दौरान आरोपियों ने उसके भतीजे के साथ गाली गलोच करते हुए उनके द्वारा विकास के सिर पर डन्डे से वार किया गया है। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी

❑पिता व दो पुत्र थे हत्या में शामिल

गयी। इस दौरान एक नवम्बर को एम्स में उपचार करा रहे विकास की मौत हो गयी। जिस पर पुलिस ने हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीती शाम एक सूचना के बाद हत्यारोपी रोहित उर्फ गोपी को उसके मामा के गांव नियामतपुर थाना खानपुर क्षेत्र से दबोच लिया गया। पूछताछ करने पर आरोपी रोहित उर्फ गोपी ने बताया कि राजकुमार उर्फ राजू द्वारा आकाश की मजदूरी व विकास की दुकान के उधार के पैसे देने को लेकर आपस में कहा सुनी होती थी। आकाश व विकास द्वारा आरोपियों से बार- बार पैसो की मांग किये जाने व समाज के लोगो के बीच पैसे मांगने को लेकर अपनी बेजइती समझकर आकाश व विकास से रंजिश रखने लगे व तीनो आरोपियों के द्वारा आपस में योजना बनाई गयी कि यदि अब इन्होने दुबारा पैसे मांगे तो इन्हे हम ठिकाने लगा देंगे। बताया कि 30 अक्टूबर को भी आकाश व विकास ने अपने सामान व मजदूरी के पैसे मांगे तो रोहित द्वारा दोनो को कहा कि हम तुम्हारे पैसे नही देते तुमसे जो होता है कर लो। जिसके बाद रोहित अपने घर से अपने पिता राजकुमार व मोहित के साथ डन्डे लेकर आये और आकाश व विकास के साथ मारपीट शुरु कर दी और जान से मारने की नियत से विकास के सिर पर डन्डे से वार किया जिससे विकास बेहोश होकर गिर गया। जहाँ से विकास के परिजनो द्वारा विकास को रुडकी अस्पताल ले जाया गया जहां से विकास को एम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया और उसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या मं प्रयुक्त बेसबाल का डंडा व घटना के समय पहनी हुई कमीज बरामद कर ली है। बहरहाल पुलिस ने हत्यारोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

टेंकर की चपेट में आकर कार सवार हुआ घायल

संवाददाता

देहरादून। टेंकर की चपेट में आकर कार सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोभाल चौक रायपुर निवासी राकेश यादव ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी कार से रायवाला से देहरादून की तरफ जा रहा था जब वह नेपाली फार्म तिराहे पर पहुंचे तभी सामने से आ रहें टेंकर ने कार को अपनी चपेट में ले लिया जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी तथा वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाइक चोरी के 2 आरोपी दबोचे, बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी बाइक भी बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते एक नवम्बर को उत्तराखण्ड पुलिस एप्प पोर्टल के माध्यम से उदित चौधरी पुत्र विक्रम सिंह निवासी म.न. 531,पन्त विहार, गणेशपुर, रूडकी थाना गंगनहर, जिला हरिद्वार के द्वारा अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी स्पेलन्डर प्लस को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा 27 अक्टूबर को सुबह 10 बजे शकुम्बरी आटोमोबाइल मारूति शोरूम, दिल्ली रोड, के बाहर पार्किंग से चोरी कर ली गयी है।

मामले में कोतवाली रूड़की पुलिस

ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। बाइक चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा आज सुबह एक सूचना के बाद उक्त चोरी में शामिल दो लोगों को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम साहिल पुत्र मोहसीन निवासी ग्राम तेलीवाला पाडली गुर्जर इमरान डेरी के पास थाना गंगनहर जनपद हरिद्वार व आरिस पुत्र मोहसीन निवासी ग्राम तेलीवाला पाडली गुर्जर बिलाल मस्जिद के पास थाना गंगनहर जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

चोरी की स्कूटी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। न्यू रोड निवासी धीरेन्द्र मोहन घिल्डियाल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन थोडी देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चैकिंग अभियान चलाया। चैकिंग के दौरान पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सोनू उर्फ बागी पुत्र जयप्रकाश निवासी वाणी विहार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

सौतेले बेटे की गैर इरादतन हत्या में महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। चार साल के सौतेले बेटे को धक्का मारकर उसकी मौत का कारण बनी महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार दो नवम्बर को राहुल कुमार पुत्र स्व. इन्द्राज सिंह निवासी ग्राम बुल्लावाला, थाना डोईवाला द्वारा कोतवाली डोईवाला पर प्रार्थना पत्र दिया कि उसकी पहली पत्नी की मृत्यु के पश्चात उसके द्वारा प्रिया पुत्री सुशील कुमार निवासी अम्बेडकर कालोनी बडोवाला शिमला बाईपास रोड से दूसरी शादी की गयी है, उसकी पहली पत्नी से

उनका एक पुत्र विवान उम्र-4 वर्ष है, जो व उसके साथ रहता है। 27 अक्टूबर 2025 की सुबह जब वह अपनी डयूटी पर चला गया तो उसकी दूसरी पत्नी प्रिया द्वारा घर पर उसके 4 वर्षिय पुत्र विवान को धक्का दे दिया, जिससे वह फर्श पर गिरकर बेहोश हो गया तथा गिरने से उसको गम्भीर चोट आने पर परिजनों द्वारा उसे अस्पताल ले जाते समय उसकी मृत्यु हो गयी। उसके द्वारा अपने प्रार्थना पत्र मे अंकित किया गया कि उसकी दूसरी पत्नी प्रिया उसके पुत्र के साथ काफी क्रूर व्यवहार करती थी तथा उसको छोटी छोटी बात पर मारती पीटती थी, उसे अपनी पत्नी पर पहले से ही शक था कि उसके द्वारा की गई मारपीट के कारण ही उसके पुत्र की मृत्यु हुयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिये गये, जिस पर पुलिस टीम द्वारा आस-पडोस के लोगों से घटना के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गयी तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर पीडित की दूसरी पत्नी को आवश्यक पूछताछ हेतु हिरासत में लिया गया, जिससे सख्ती से पूछताछ करने पर उसके द्वारा गुस्से में अपने 04 वर्षीय सौतेले पुत्र विवान को जोर से धक्का देकर फर्श पर गिराने तथा घटना में उसे गम्भीर चोटे आने व अस्पताल ले जाने के दौरान विवान की मृत्यु होने की बात स्वीकार की गई, जिस पर पुलिस टीम द्वारा प्रिया को मौके से गिरफ्तार किया गया। जिसको पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।